permissible. And for that, we require a consensus. Everybody will have to take a view on it. Dual citizenship is a larger question. Within that larger question, we have the limited question of whether the right to franchise could be extended to the citizens settled abroad. Various Members have expressed opinion in favour of that. So, this will have to be considered in greater detail and a decision is to be taken.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सर, मैं उम्मीद करता हूं कि मैंने मिनिस्टर साहब के इब्तदाई जवाब को ठीक से सुना। मुझे यह सुनकर ताज्जुब हुआ कि जो हिन्दुस्तानी हिन्दुस्तान के बाहर रहते हैं, उनको किसी किस्म के वोट देने की सहूलियत नहीं है। उन हिन्दुस्तानियों में बहुत बड़ी तादाद ऐसे हिन्दुस्तानियों की है, जो हिन्दुस्तानी पासपोर्ट पर ही रह रहे हैं। क्या उन हिन्दुस्तानियों को पोस्टल बैलेट के जरिए अपना वोट, अपनी राय जाहिर करने का हक देना डिनाई कर दिया गया है, नामंजूर कर दिया गया है? अगर ऐसा किया गया है तो क्यों किया गया है?

†[شری سکندر بخت: سر میں امید کرتا ہوں کہ میں نے منسٹر صاحب کے ابتدائی جواب کو ٹھیک سے سنا۔ مجھے یہ سنکر تعجب ہوا کہ جو ہندوستانی ہندوستان کے باہر رہتے ہیں انکو کسی قسم کے ووٹ دینے کی سہولیت نہیں ہے۔ ان ہندوستانیوں میں بہت بڑی تعداد ایسے ہندوستانیوں کی ہے جو ہندوستانی پاسپورٹ پر ہی رہ رہے ہیں۔ کیا ان ہندوستانیوں کو بھی بیلٹ کے ذریعہ اپنا ووٹ اپنی رائے ظاہر کرنے کا حق دیتا "ڈینائی" کر دیا گیا ہے۔ نامنظور کر دیا گیا ہے۔ انکو کیا گیا ہے تو کیوں کیا گیا ہے۔]

†[] Transliteration in Arabic Script.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, I quoted the Election Commision's letter dated 27th September, 1993, addressed to our Ministry. The exact language of the letter is: "Indians living abroad, except service personnel, are not eligible to vote in the elections in the Lok Sabha and in the State Legislative Assemblies in India." That is why a suggestion has come whether the franchise right could be given to the Indian citizens, even without extending the dual citizenship, within the framework of the constitution. For that, the necessary amendment of the electoral law will have to be made and for that, you require a larger consensus. I have already referred to that.

Training Centres of Hizbul Mujahideen in Himachal Pradesh

*144. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a number of training centres have been established near Poanta Sahib and Chamba in Himachal Pradesh by the Kashmiri terrorist outfit Hizbul Mujahideen;

(b) whether it is a fact that this terrorist outfit has warned the State Government that Kashmir-like situation may develop there also if its activities are checked; and

(c) if so, the action Government have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) Government of Himachal Pradesh have intimated that no such training Centres of Kashmiri terrorists outfit called Hizbul Mujahideen has been found in Poanta Sahib or Chamba or in any part of the State.

(b) As per Government of Himachal Pradesh, no such threat or warning has been received by the State Government.

(c) Government of Himachal Pradesh are maintaining strict watch over the activities of Jammu & Kashmir militants in the State. All border check-posts have been strengthened by the State Government.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: जहां तक टेरोरिज्म का सवाल है, वह केवल स्टेट सरकार का प्रश्न नहीं है केन्द्र सरकार भी उसमें मुख्यतः आती है। क्या आपको जानकारी है कि एक पोस्टर हिजबुल मुजाहिदीन ने पुलिस को भेजा और उसकी प्रतियां शिमला के अंदर और दूसरी जगह बांटी गईं जिसमें बेसर सिंह नाम व्यक्ति को मर्डर किया गया, जो टेरेस्टि था और उसमें हिजबुल मुजाहिदीन ने दावा किया कि उसका मर्डर हमने किया है, यह पोस्टर पुलिस को भेजा गया और उसकी प्रतियां शिमला के अंदर बांटी गईं, क्या इसकी जानकारी आपको है? यदि नहीं है तो आप जानकारी लेंगे और जब इतनी घटना हुई है तो आप कैसे कह सकते हैं कि वहां पर किसी प्रकार की टेरेरिस्ट एक्टिविटी नहीं है?

श्री राजेश पायलट: यह बात सही है कि यह पोस्टर वहां कुछ लगाए गए थे, लेकिन पोस्टर की भाषा जो है उसको आप पढ़ें तो भाषा से ही लगता था कि ये फेग पोस्टर है। दूसरी बात, उसमें बेसर सिंह, ए०एस०आई० नाम का आदमी इन्वाल्व के लिए लिखा था। तो इस बारे में हमें स्टेट गवर्नमेंट ने खबर दी है कि आपस की कुछ इंटर राइवल्री दोनों अधिकारियों में थी और उस खोज में भी दो आदमी पकड़े गए हैं। पुलिस अफसरों की आपस की दुश्मनी में, आपस के झगड़े में वह गोली चली थी जिसमें यह आदमी मारा गया और इनमें से एक आदमी अभी भी पंजाब में है, जिसके लिए डी०जी०, पंजाब ने इत्तिला दी है कि वे उसे ट्रेस कर रहे हैं, पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं और वह भी हिमाचल पुलिस में सर्विस करता था। तो यह हिजबुल मुजाहिदीन ने कह तो दिया कि हमने किया है लेकिन सच्चाई इसमें यह है कि आपस में दुश्मनी के कारण यह मर्डर हुआ। मेरी व्यक्तिगत इन्फारमेशन यह है कि यह बेसर सिंह, जो हमारे मिनिस्टर हैं वहां पर रंगीला राम राव जी, यह उनके रिलेशन में है, उनकी छोटी बहन इनसे ब्याही है। मुझसे भी वह मिले थे, मैंने भी पंजाब गवर्नमेंट को इन्हें ट्रेस करके पकड़वाने की कोशिश की थी। तो हिजबुल मुजाहिदीन इसमें जैसे क्लेम कर रही है, वह खबर गलत है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: क्या यह भी सच है कि उस इलाके में जंगल है? देहरादून में मैं रहा हूं, देहरादून से मिला हुआ इलाका है और वहां पर इस बात की संभावना है कि चाहे वे मुजाहिदीन हों, चाहे खालिस्तान के टेरोरिस्ट हों, जैसे उत्तर प्रदेश के तराई के इलाके में खालिस्तान के टेरेरिस्ट की गतिविधियां रहीं, तो इसको रूल-आउट नहीं किया जा सकता है और क्या आपको मालूम है कि वहां पर नए तौर से कई मदरसे खुलते जा रहे हैं पचासों की तादाद में और जैसे जम्मू-कश्मीर में मदरसों का इस्तेमाल टेरेरिस्ट एक्टिविटीज़ में किया गया है, वहां भी इस तरह की संभावना को नकारा नहीं जा सकता? क्या आपको मालूम है कि ऐसे मदरसे वहां पर हाल में खुले हैं और खुलते जा रहे हैं और अगर जानकारी है तो उस पर निगाह रखने के लिए क्या केन्द्र सरकार स्वयं कुछ करेगी या केवल प्रदेश सरकार के ऊपर ही निर्भर रहेगी?

श्री राजेश पायलट: अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि हिमाचल प्रदेश की लोकेशन सेंसेटिव है पंजाब के बोर्डर से भी और जम्मू कश्मीर के बोर्डर से भी और यह बात भी माननीय सदस्य की सही है कि स्टेट गवर्नमेंट अपनी स्टेट में कर सकती है, बोर्डर्स में सपोर्ट की जरूरत है और केन्द्र का हस्तक्षेप इन बातों में हमेशा हम लोग रखते हैं और गौर भी हम रखते हैं। इसीलिए हम लोगों ने सरकार की तरफ से एक कोआर्डिनेशन कमेटी बनाई थी जिसमें डी०जी०पी० पंजाब, डी०जी०पी० हिमाचल प्रदेश, डी०जी०पी० कश्मीर, डी०जी०पी०-यू०पी० और डी०जी०पी०-हरियाणा, यह पांचों रेग्यूलर मीटिंग करते रहे हैं और इनके चैनल भी ऐसे कर दिए हैं जिससे हर रोज की कोआर्डिनेशन अपटूडेट रहे, जिससे बोर्डर्स में कभी कम्युनिकेशन गैप न हो जाए कि मिलिटेंट्स जम्मू से आ जाएं और न पंजाब को पता हो और न हिमाचल को पता हो।

It has proved very successful.

इसमें कई केसेज पर खबरें आईं और बहुत अच्छे एक्शन उस पर हुए। तो इस पर प्रतिबंध लगा रहा। जहां तक दूसरी बात आप मदरसों की कर रहे हैं, हमारे पास अभी ऐसी कोई खबर नहीं है कि वहां पर मदरसे इस इंटेशन से खोले जा रहे हैं। लेकिन जहां-जहां जमायते इस्लामी ने यह कोशिशें की है कि इन मदरसों का फायदा उठाकर हमीर फंडामेंटेलिज्म को बढ़ाएं, वहां पर सरकार ने कार्रवाई की है और यह सरकार का कमिटमेंट है कि

फंडामेंटल फॉसेंज के खिलाफ हम हमेशा सख्ती से लड़ते रहें और सख्त से सख्त कार्रवाई करते रहें।

श्री जगदीश प्रसाद माथुरः यह आप कृपया देख लें। मेरी जानकारी है कि मदरसे खुलते जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर के अंदर जो हुआ, उस स्थिति में वहां मदरसों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मीः यह भी आंकडे जरूर दें कि क्या पूरे हिन्दुस्तान में जो मदरसे चल रहे हैं, क्या इन मदरसों में पाकिस्तानी शह पर हमारे मुल्क के खिलाफ कोई काम हो रहा है या उग्रवादियों का वहां अमल-दखल है? ...**(व्यवधान)**

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی: یہ بھی آنکڑے ضرور دیں کہ کیا پورے ہندوستان میں جو مدرسے چل رہے ہیں کیا ان مدرسوں میں پاکستانی شہ پر ہمارے ملک کے خلاف کوئی کام ہو رہا ہے یا اگر دہشت گردیوں کا وہاں عمل دخل ہے . . . "مداخلت"

. . .

SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Sir, he cannot get up and put questions like this in the Question Hour.

श्री महेश्वर सिंहः सभापति महोदय, जो चिंता हिमाचल प्रदेश में उग्रवादियों की बढ़ती हुई गतिविधिगों के बारे में इस माननीय सदन के सदस्य श्री जगदीश प्रसाद माथुर ने व्यक्त की है, मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करते हुए माननीय मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहूंगा कि ट्रिब्यून में एक जुलाई, 95 को छपी खबर जिसका उल्लेख माननीय सदस्य ने किया है, उसी खबर में यह छपा है कि हिमाचल प्रदेश में इस प्रकार के लगभग 30 मदरसे जिला चम्बा और जिला सिरमौर में चल रहे हैं, जहां उग्रवादी ट्रेनिंग दे रहे हैं। डी०जी० पुलिस, हिमाचल प्रदेश ने इस बात को स्वीकार किया है। इस प्रकार के 12 मदरसे सिरमौर जिले के पौंटा क्षेत्र में चल रहे हैं और इस बारे में कोई छानबीन नहीं की गई जिसके बारे में इस खबर में आरोप था। तो मैं माननीय मंत्री महोदय से आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहूंगा कि क्या वह इस बात की छानबीन करने के लिए हिमाचल सरकार को निर्देश देंगे और रिपोर्ट सब्मिट करने को कहेंगे कि इन मदरसों में कौन-कौन सी गतिविधियां चल रही हैं।

दूसरे, मैं मंत्री महोदय के ध्यान में यह भी लाना चाहूंगा कि चम्बा जिला जम्मू कश्मीर के साथ लगता है। वहां जो सलूनी स्थान में पुलिस चौकी है, वहां के एक पुलिस कांस्टेबिल को उग्रवादियों ने मारा। कोई कार्रवाई नहीं हुई। चार-पांच दिन पूर्व इसी क्षेत्र से चार-पांच गूजरों को उठाकर उग्रवादी ले गए और आप इस बात से सहमत होंगे कि मनिकरण गुरुद्वारा जो कुल्लु जिला में है और पौंटा में स्थित जो गुरुद्वारा है, उसके बारे में अनेकों बार यह खबरें छपी हैं और पुष्टि भी हुई है कि कुछ उग्रवादियों ने जाकर वहां शरण ली थी। आप इस बात से भी सहमत होंगे कि हिमाचल में पुलिस की संख्या बहुत कम है और यह सेंसेटिव एरिया है। यदि समय रहते भारत सरकार हस्तक्षेप न करे और इस प्रदेश की चिंता न करे तो यह प्रदेश कभी भी उग्रवादीग्रस्त हो सकता है।

MR. CHAIRMAN: Please conclude. Put your question.

श्री महेश्वर सिंहः ऐसी स्थिति में क्या आप यहां से इस बोर्डर एरिया में सी०आर०पी०एफ० को तैनात करने पर विचार करेंगे। हो गया, साहब।

श्री राजेश पायलटः सभापति महोदय, पार्ट-ए, उर्दू में स्कूल, को मदरसा कहते हैं। मदरसा और पाठशाला देश में कहीं खुले, कोई हर्ज नहीं है। लेकिन न पाठशाला में और न मदरसों में फंडामेंटल गतिविधियों को बढ़ने देंगे, यह सरकार की निगरानी रखने की बात है। वह तो हर जगह हम रख रहे हैं।

जहां कहीं ऐसी ऐक्टिविटीज हमें नज़र आई है, हमने वहां पर कदम उठाए हैं और जहां जरूरत पड़ी है, वहां सख्त से सख्त कदम उठाए हैं और उनको बंद किया है। ...**(व्यवधान)**... सरस्वती विद्यापीठ हों चाहे पाठशालाएं हों या मदरसे हों। ये सेक्युलर देश है, इसमें सेक्युलर ...**(व्यवधान)**...

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमीः हम यह जानना भी चाहेंगे अगर आप बता दें तो...**(व्यवधान)**...

†[] Transliteration in Arabic Script.

†[] مولانا عبیداللہ خان اعظمی: یہ جاننا بھی چاہیں گے اگر آپ بتا دیں تو: "مداخلت" . . .

MR. CHAIRMAN: Maulana Obaidullah Azmi, put your question legitimately.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी: सर, यह देश के हित में होगा। सर, मैं आपसे रिक्वेस्ट कर रहा हूं। मदरसा हो चाहे मंदिर हो चाहे गुरूद्वारा हो चाहे गिरिजाघर हो, इन तमाम चीज़ों का मुल्क के खिलाफ इस्तेमाल हम निहायत ही काबिले-मजम्मत समझते हैं और खुल कर यह बात सामने आनी चाहिए कि कौन-कौन से मदरसे देश के खिलाफ काम कर रहे हैं, कौन-कौन से मंदिर देश के खिलाफ काम कर रहे हैं, कौन-कौन से गिरिजे और कौन-कौन से गुरूद्वारे देश के खिलाफ काम कर रहे हैं। न सिर्फ यह कि उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए बल्कि एक ऐसा कदम उठाना चाहिए जिससे कल दूसरे लोग यह काम न कर सकें। इसलिए मेरी गुज़ारिश होगी आपसे कि आप बताएं उन मंदिरों, मदरसों, उन सब चीज़ों को बताएं, यह देश के हित में होगा।

†[] مولانا عبیداللہ خان اعظمی: سر، یہ دیش کے ہت میں ہوگا۔ سر، میں آپ سے درخواست کر رہا ہوں مدرسہ ہو چاہے مندر ہو چاہے گوردوارہ ہو چاہے گرجا ہو۔ ان تمام چیزوں کا ملک کے خلاف استعمال ہم نہایت ہی قابل مذمت سمجھتے ہیں اور کھل کر یہ بات سامنے آنی چاہیے کہ کون کونسے مدرسے دیش کے خلاف کام کر رہے ہیں۔ کون کونسے مندر دیش کے خلاف کام کر رہے ہیں۔ کون سے گرجے اور کون سے گردوارے دیش

†[] Transliteration in Arabic Script.

کے خلاف کام کر رہے ہیں۔ یہ صرف یہ کہ اس لئے خلاف کارروائی ہونی چاہیے بلکہ ایک ایسا قدم اٹھانا چاہیے جس سے کل دوسرے لوگ یہ کام نہ کر سکیں اسلئے میری گذارش ہوگی آپ سے کہ آپ بتائیں ان مندروں۔ ان سب چیزوں کو بتائیں یہ دیش کے ہت میں ہوگا۔

MR. CHAIRMAN: You put your question. Please sit down.

SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: It is not proper, an hon. Member getting up and putting questions like this.

श्री शिवचरण सिंह: गुज्जरों के क्षेत्र में ...(**व्यवधान**)... उर्दू के स्कूल क्यों खोल रहे हैं ...(**व्यवधान**)....

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी: जहां तक उर्दू का संबंध है ...(**व्यवधान**)... न सिर्फ गुज्जरों के इलाकों में बल्कि हर इलाके में उर्दू ज़बान के स्कूल खुलने चाहिएं। ...(**व्यवधान**)...

†[] مولانا عبیداللہ خان اعظمی: جتنا تعلق اردو کا مسلمانوں سے ہے۔ . . "مداخلت" . . . بصرف گوجروں کے علاقے میں بلکہ ہر علاقے میں اردو زبان کے اسکول کھلنے چاہیں۔ . . "مداخلت" . . . . . .

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down? (*Interruptions*).... The Minister will answer the qeustion. (*Interruptions*).... The Minister will answer the question (*Interruptions*).... Please sit down. (*Interruptions*).... Mr. Azmi, please sit down. (*Interruptions*)....

श्री राजेश पायलट: सभापति महोदय, मैंने जैसा कहा कि ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: उर्दू न सिर्फ हिंदुस्तान की ज़बान है बल्कि जंगे-आज़ादी की ज़बान है। जंगे-आज़ादी में उर्दू इस्तेमाल की गई थी।

श्री राजेश पायलट: अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने कहा कि मदरसा, पाठशाला सरस्वती शिशु विद्यालय, जो भी खुलें लेकिन हमारी सरकार की पूरी निगरानी है। इन जगहों को जो शिक्षा के लिए खोली जाती हैं, किसी कठोरपंथी या कट्टरपंथी विचाराधारा के लोगों के देश के सेक्युलर फैब्रिक्स को कमज़ोर करने के लिए इस्तेमाल नहीं यह सरकार होने देगी, यह सरकार की नीति है और सरकार उसकी पूरी निगरानी रख रही है।

पार्ट "बी" में इन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में उग्रवाद बढ़ा है, यह सही बात है। 1992-93 में कुछ ऐसी इनफॉर्मेशन थी जहां थोड़ी बहुत ऐक्टिविटीज़ बढ़ी थीं। उसी वक्त केन्द्र की सरकार की तरफ से जो भी राज्य सरकार को मॉडर्नाइज़ेशन की ज़रूरत थी, मैं खुद शिमला गया था, चीफ मिनिस्टर के साथ मीटिंग की। उनको जो कम्युनिकेशन में मॉडर्नाइज़ेशन ऑफ पुलिस में जरूरत थी, वह भी हमने दी और जो सरकार की तरफ से जब भी पैरा मिलिटरी फोर्स मांगे, वह भी दिए हैं। हम पूरी तरह राज्य सरकार के साथ सम्पर्क बनाए हुए हैं और ऐसी स्थिति बिलकुल नहीं आने देंगे कि हिमाचल प्रदेश जैसे शांतिप्रिय प्रदेश में कोई ऐसी हरकत हो। दूसरा सवाल जो हमारे साथी ने पूछा है कि ऐसे कितने विद्यालय हैं, यह सब सरकार खबर रखती है और यह सरकार का काम है। जहां वक्त पर ज़रूरत पड़ती है, हम ऐक्शन लेते हैं और लेते रहेंगे इन मामलों के खिलाफ।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी: सरकार बताएगी नहीं?

†مولانا عبیداللہ خان اعظمی : سرکار بتائے گی نہیں۔

श्री राजेश पायलट: बता देगी।

श्री महेश्वर सिंह: सर, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया।

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down? Please sit down. (*Interruptions*)... you have put your question. (*Interruptions*)... No. (*Interruptions*)...

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री महेश्वर सिंह: सर। जवाब जो आना चाहिए था। Sir, I have put my question. Let him reply. (*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down? (*Interruptions*)... Please sit down. (*Interruptions*)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: अखबार में यह छपा है?.....**(व्यवधान)**.....

MR. CHAIRMAN: You please sit down. Mr. Chaturanan Mishra. (*Interruptions*)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: अखबार में छापने वाले आप हैं। अखबार में छपा है.....**(व्यवधान)**....

श्री दिग्विजय सिंह: चेयरमैन हैंडल कर रहे हैं, आप काहे को बोल रहे हैं? सब बातों में आपको बोलना जरूरी है? चेयरमैन खड़े हैं और ये खड़े हो कर हर बात में लाठी चलाएंगे ....**(व्यवधान)**....

MR. CHAIRMAN: You please sit down. (*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAY SINGH: When you are standing, he is interrupting and you are telling me. (*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Your question is answered by the Minister. Please sit down. (*Interruptions*)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: महोदय, गुरूद्वारों के बारे में गलत जानकारी दी गई है सदन में। यह सब पोलिटिक्स की जा रही है...**(व्यवधान)**... गलत बात है। ...**व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. (*Interruptions*)...Will you please sit down?

श्री चतुरानन मिश्र: सभापति महोदय, सरकार ने तो यह स्पष्ट किया है चाहे मदरसा हो, चाहे स्कूल हो या कोई और जगह हो जहां हमारे देश के खिलाफ कोई कार्यवाही होती हो, सरकार उसका ध्यान रखेगी, यह तो बिलकुल सही है लेकिन हमको कुछ ऐसा लगा कि सरकार इस बात की गारंटी करे कि यह विचहंटिंग न हो जाए कि मदरसों में जा-जा कर सरकार यह गारंटी कर दे कि सबको अधिकार है नहीं तो ऐसा लग रहा है कि कॉर्नर से कुछ ऐसी कोशिश हो रही है कि मदरसों के

खिलाफ विचहंटिंग होगी। ऐसा नहीं होगा, यह हम आपसे आश्वासन चाहते हैं।

श्री राजेश पायलट: महोदय, मैंने यह स्पष्ट रूप से कहा कि चाहे मदरसा हो, चाहे पाठशाला हो, चाहे शिशु मंदिर हो या चाहे विद्यालय हो, यह सब पढ़ाई के मकसद से खोले जाते हैं और जरूरी हैं। सरकार द्वारा प्राइवेट ऑरग्नाइज़ेशंस खोले जाते हैं। लेकिन किसी भी स्थल को इसका अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा, जहां कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ाकर देश के सैक्यूलरिज्म को दूर करने की बात की जाए। चाहे मदरसा हो या विद्यालय हो, हमारे लिए दोनों चीज़े बराबर हैं और सरकार का फर्ज है कि ऐसी विचारधारा को न पनपने दे और सरकार इस संबंध में कटिबद्ध है।

Census of Wildlife Animal

*145. SHRIMATI VEENA VERMA:†
SHRI SUSHIL MUMAR SAMBHAJI RAO SHINDE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether census of wild cats, lions, tigers, leopards, panthers and others has been lately held in different wildlife sanctuaries in the country;

(b) if so, when it was last conducted in each sanctuary and what are the comparative figures for each species of animals; and

(c) the yearly rate of growth these figures depict; sanctuary-wise?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Census of major endangered animals are conducted by the States once in four years and in tiger reserves once in two years.

(b) and (c) Last general census of wild animals in major wildlife areas was carried out in 1993. The sanctuary-wise details of wild animal population is not mainted by the Central Government. However, the comparative figures of major wild animals as per 1989 & 1993 census are as under:

		1989	1993	Average Annual Growth Rate (%)
1.	Tiger	4334	3750	(−) 3.36
2.	Elephant	17000—22000	22000—27000	(+) 5.68
3.	Lion	284 (1990)	304 (1995)	(+) 1.40
4.	Leopard	6763	6828	(+) 0.24
5.	Rhinoceros	1591	1496	(−) 1.49
6.	Brow-antlered deer	64	98	(+) 13.28

SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Sir, I am on a point of order. My question was whether a census of wild cats...

MR. CHAIRMAN: There is not point of order during Question Hour.

† The Question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Veena Verma.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: क्वेश्चन ऑवर में प्वाइंट ऑफ आर्डर कब से होने लगा है?.....**(व्यवधान)**

SHRI SUSHILKUMAR SABHAJIRAO SHINDE: I am on a point of information. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Your turn will come.